वेदांत समूह की ऋण घटाने की योजना

साकेत कुमार
नई दिल्ली, 2 अगस्त

धातु और खनन क्षेत्र की दिग्गज वेदांत समूह को वित्त वर्ष 2026-27 में 10 अरब डॉलर एबिटा रहने का अनुमान है। साथ ही समूह ने इस वित्त वर्ष में कुल मिलाकर 20,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज घटाने की योजना बनाई है। वेदांत के शीर्ष नेतृत्व ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से बातचीत में यह जानकारी दी। इससे जून तिमाही में समूह के अधिकांश व्यवसायों में रिकॉर्ड आय दर्ज करने के बाद कंपनी के निरंतर प्रदर्शन के प्रति आत्मविश्वास को दर्शाता है।

वेदांत समूह के मुख्य वित्त अधिकारी अजय गोयल ने कहा, 'हम समूह के तौर पर चालू वित्त वर्ष में सालाना लगभग 10 अरब डॉलर एबिटा की उम्मीद कर रहे हैं। हम समूह स्तर पर 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण कम करने की भी योजना बना रहे हैं।' उन्होंने कंपनी का डीमर्जर पूरा होने के बाद की पहली तिमाही के परिणामों की घोषणा के बाद यह कहा।

वेदांत समूह का एबिटा 10 अरब डॉलर एबिटा रहने का अनुमान

गोयल ने बताया कि ऋण कम करने की प्रक्रिया पहले ही तेज हो चुकी है। जून तिमाही में समूह की मूल इकाई, वेदांत रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) ने 1.1 अरब डॉलर का ऋण कम किया। कंपनी ने अपनी उधारी का पुनर्वित्तपोषण भी किया, जिससे फंडिंग लागत में 280 आधार अंकों की कमी आई। इससे सालाना ब्याज पर होने वाले खर्च में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमी आने की उम्मीद है। इससे समूह की बैलेंस शीट मजबूत होगी।

गोयल के अनुसार कंपनी का यह प्रदर्शन उत्पादन की अधिक मात्रा, कम परिचालन लागत और मूल्यवर्धित उत्पादों के समृद्ध मिश्रण के साथ अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के कारण हुआ है। इसमें ब्रेंड क्रूड में मजबूती और लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) में कीमतें और रुपये की कमजोरी शामिल है। इसकी वजह से कंपनी को निर्यात केंद्रित कारोबार में फायदा हुआ है।

वेदांत समूह के ज्यादातर कारोबार में मुनाफे में सुधार हुआ है, वहीं वेदांत पॉवर को उच्च राजस्व के बावजूद तिमाही घाटा हुआ है। इस अंतर के बारे में वेदांत पॉवर के मुख्य कार्याधिकारी राजिंदर सिंह आहूजा ने कहा कि यह घाटा मुख्य रूप से दिवालिया एथेना छत्तीसगढ़ पावर लिमिटेड के अधिग्रहण पर उच्चतम न्यायालय के समक्ष कानूनी कार्यवाही के कारण 487 करोड़ रुपये के एकमुश्त प्रभाव के कारण हुआ।

एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम स्क्रैप पर आयात शुल्क पर वेदांत एल्यूमीनियम के मुख्य कार्याधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि एल्यूमीनियम स्क्रैप पर कुछ आयात शुल्क बनाए रखने से क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश को समर्थन मिलेगा। महत्त्वपूर्ण खनिजों पर समूह के कार्यकारी निदेशक अरुण मिश्र ने कहा कि वेदांत ने वेदांत लिमिटेड और हिंदुस्तान जिंक द्वारा रखे गए कई महत्त्वपूर्ण खनिज ब्लॉक पर अन्वेषण शुरू कर दिया है, जिसमें उत्तर प्रदेश में एक मोनाजाइट ब्लॉक भी शामिल है, जो स्थायी चुंबकों में उपयोग किए जाने वाले रेयर अर्थ मैटेरियल नियोडिमियम का भारत का पहला भूमि-आधारित स्रोत बन सकता है।